राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

वार्षिक कार्यक्रम रिपोर्ट 2024 - 2025

भारती महाविद्यालय सदैव इस संकल्प के साथ कार्य करता रहा है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का पूर्णतः अनुपालन हो तथा हिंदी को प्रशासन, अकादमिक वातावरण और सांस्कृतिक गतिविधियों में सम्मानजनक स्थान प्राप्त हो। अकादमिक वर्ष 2024-25 इस दृष्टि से महाविद्यालय के लिए महत्त्वपूर्ण रहा, क्योंकि इस वर्ष हिंदी के प्रयोग, प्रचार और प्रसार की दिशा में अनेक उल्लेखनीय पहलें की गईं।

सबसे पहले प्रशासनिक कार्यप्रणाली में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस वर्ष अधिकतर कार्यालयी आदेश, अधिसूचनाएँ और परिपत्र हिंदी में ही जारी किए गए। महाविद्यालय की बैठकों के कार्यवृत्त भी हिंदी में संकलित किए गए, जिससे कर्मचारियों और अध्यापकों के बीच हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहन मिला। महाविद्यालय की आंतरिक संचार प्रणाली जैसे नोटशीट, पत्राचार तथा ई-मेल में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप अकादमिक वर्ष की समाप्ति तक प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की नियमित बैठकें आयोजित कर हिंदी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठकों में विभिन्न विभागों और इकाइयों को इस दिशा में निरंतर प्रोत्साहित किया गया। समिति द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया कि महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर हिंदी का समुचित स्थान हो और छात्रों व अभिभावकों तक हिंदी में सूचना आसानी से पहुँच सके।

अकादमिक वर्ष में कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन विशेष रूप से किया गया। इन कार्यशालाओं में हिंदी में फ़ाइल - नोटिंग, कार्यालयीन शब्दावली के प्रयोग, तथा ई-ऑफिस प्रणाली में हिंदी टाइपिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इससे कर्मचारियों में आत्मविश्वास बढ़ा और वे दैनिक कार्यों में सहज रूप से हिंदी का प्रयोग करने लगे।

महाविद्यालय में इस वर्ष राजभाषा पक्षोत्सव का आयोजन किया गया। दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव में हिंदी निबंध लेखन, वाद-विवाद, काव्य-पाठ, प्रश्नोत्तरी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों ने छात्रों के भीतर हिंदी भाषा के प्रति न केवल उत्साह जगाया, बल्कि उसकी अभिव्यक्तिपरक क्षमता को भी उजागर किया। छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी और शिक्षकों का सहयोग इस आयोजन की सफलता का प्रमाण रहा। विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे हिंदी की ओर उनकी रुचि और गहरी हुई।

इस वर्ष का एक महत्त्वपूर्ण आयाम राजभाषा निरीक्षण रहा। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा प्रभाग द्वारा 21 दिसंबर 2024 को भारती महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने महाविद्यालय की तैयारियों और हिंदी के प्रयोग को सराहनीय बताया तथा भविष्य के लिए कुछ रचनात्मक सुझाव भी प्रदान किए। इनमें विशेष रूप से ई-

ऑफिस में हिंदी टाइपिंग को बढ़ावा देने, तकनीकी शब्दावली को व्यवस्थित करने और अभिलेखों को हिंदी में सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। महाविद्यालय ने इन सुझावों को गंभीरता से स्वीकार किया और उन पर अमल शुरू कर दिया है।

अकादमिक वातावरण में भी हिंदी का प्रभाव लगातार बढ़ता रहा। विभागीय संगोष्ठियों, व्याख्यानों और सेमिनारों में हिंदी के प्रयोग को प्राथमिकता दी जा रही हैं। शिक्षकों और छात्रों को प्रोत्साहित किया गया कि वे शोधपत्र और प्रस्तुतियाँ हिंदी में तैयार करें। इससे महाविद्यालय का शैक्षिक वातावरण हिंदीमय और समावेशी बना।

इस पूरे वर्ष के कार्यों का मूल्यांकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि भारती महाविद्यालय ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नेतृत्व में हिंदी को कार्यालयीन, शैक्षिक और सांस्कृतिक जीवन में सशक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रगति की है। हिंदी का प्रयोग मात्र औपचारिकता न रहकर एक स्वाभाविक कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनने लगा है।

भविष्य के लिए समिति ने यह संकल्प लिया है कि हिंदी को महाविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि से और गहराई से जोड़ा जाएगा। ई-ऑफिस प्रणाली में हिंदी प्रयोग को बढ़ाना, हिंदी में प्रकाशन को प्रोत्साहन देना, और छात्रों को हिंदी माध्यम से शोध एवं परियोजनाएँ तैयार करने के लिए प्रेरित करना आने वाले वर्ष की योजनाओं में शामिल है।

अकादमिक वर्ष 2024-25 का यह प्रतिवेदन यह दर्शाता है कि भारती महाविद्यालय में हिंदी भाषा का प्रयोग केवल राजभाषा अधिनियम की बाध्यता के अंतर्गत नहीं किया जा रहा, बल्कि इसे प्रशासनिक कार्यों, शैक्षिक संवाद और सांस्कृतिक गतिविधियों का अंग बनाया जा रहा है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के प्रयासों से हिंदी का प्रयोग बढ़ा है और वातावरण अधिक हिंदीमय हुआ है। समिति का प्रयास रहेगा कि आने वाले वर्षों में यह उपलब्धियाँ और भी व्यापक हों तथा भारती महाविद्यालय हिंदी कार्यान्वयन की दृष्टि से अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए एक आदर्श बन सके।

राजभाषा कार्यान्वयन
हिंदी ई -टूल्स का
अनुप्रयोग
डॉ. ओम प्रकाश

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
J3CV+QF9 BHARATI COLLEGE, Janakpuri, New Delhi, Delhi, 110058, India
Lat 28.621819°
Long 77.09379°
23/09/24 12:36 PM GMT +05:30
Google